प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर किसान मेला में होंगे किसानों हेतु विशेष कार्यक्रम

पंतनगर। २१ फरवरी, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय में २४ फरवरी से २७ फरवरी २०१८ तक आयोजित होने वाले प्रसिद्ध किसान मेले में विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं होंगी। पुराने स्थल, गांधी पार्क, में लगाये जाने वाले इस चार-दिवसीय मेले में चारों दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। निदेशक प्रसार शिक्षा, डा.वाई.पी.एस. डबास, ने बताया कि मेले के प्रमुख आकर्षणों में २४-२५ फरवरी २०१८ को फल-फूल, शाक-भाजी एवं परिरक्षित पदार्थों की प्रदर्शनी व प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। २५ फरवरी को ही अपरान्ह् २:०० बजे शैक्षणिक डेयरी फार्म, नगला, पर संकर बछियों की नीलामी तथा २६ फरवरी २०१८ को पूर्वान्ह् १०:०० बजे से पशु उत्पाद एवं प्रबंध विभाग के परिसर में पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। कृषकों हेतु मेले के प्रथम तीन दिन अपरान्ह् २:३० से ३:३० बजे तक विशेष व्याख्यान माला का गांधी हाल में आयोजन किया जायेगा, जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जायेगा। तीनों दिन अपरान्ह् ३:३० से ६:३० बजे तक गांधी हाल में ही किसान गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें किसान अपनी समस्याओं से सम्बन्धित प्रश्नों का त्वरित समाधान सीधे वैज्ञानिकों से पा सकेंगे। कृषकों के मनोरंजन हेतु प्रथम तीन दिन गाँधी हाल में सायं ७:०० से ८:३० बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। मेले के अंतिम दिन, यानि २७ फरवरी २०१८ को, समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का गांधी हाल में अपराह्न ३:०० बजे से आयोजन किया जायेगा, जिसमें मेले में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजित प्रतिभागियों एवं मेले में लगे स्टालों को अपने प्रदर्शन हेतु मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

डा. डबास ने बताया कि किसान मेले में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर के साथ ही नेपाल से भारी संख्या में आने वाले कृषकों के लिए रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की जा रही है। किसानों को पंतनगर रेलवे स्टेशन से मेला स्थल तक लाने व वापिस ले जाने के लिए तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों पर भ्रमण हेतु परिसर के अन्दर निःशुल्क वाहन की व्यवस्था भी की गई है। किसान, कृषि एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी, कृषि से सम्बन्धित स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, कृषि विज्ञान के विद्यार्थी, कृषि उद्यमी एवं अन्य आगन्तुक कृषि की नवीनतम तकनीकों की जानकारी, कृषि से सम्बन्धित अपनी समस्याओं के समाधान, फसलों की उन्नत किस्मों के बीजों एवं अन्य कृषि निवेशों की जानकारी प्राप्त कर तथा विभिन्न कृषि निवेशों के क्रय हेतु मेले में भागीदारी करते हैं।